an>

Title: Need to address the grievances of Anganwadi workers particularly in Uttar Pradesh.

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज) ः देश के सभी जनपदों में आंगनबाड़ी कार्यक्रम लागू है। आंगनबाड़ी कार्यक्रम के पुष्टाहार योजना का संपूर्ण देश में लगभग 26 लाख आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों के द्वारा समर्पित भाव से लागू किया जाता है। उसके बदले में उन्हें मामूली मानदेय प्रदत्त किया जाता है। देश के सभी राज्यों में अलग-अलग दरों से मानदेय दिया जाता है जिसके कारण आंगनबाड़ी की कार्यकर्त्रियों एवं सहायिकाओं को काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों के द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से महिलाओं को कुपोषण से बचाने के लिए पुष्टाचार वितरण का कार्य सुचारू रूप से करती आ रही है। वर्तमान समय में केवल उत्तर प्रदेश में लगभग 3.75 लाख आंगनबाड़ी कर्मियों के द्वारा यह कार्य किया जा रहा है, जिसके बदले में मात्र आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों को 3000 रूपये प्रतिमाह एवं सहायिकाओं को 1500 रूपये मिलते हैं। जिससे उनके सामने अपने परिवार के पालन-पोषण में काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है। विगत कई वर्षों से उ.प्र. राज्य आंगनबाड़ी संघ अपनी ग्यारह मांगों को लेकर धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। अतः भारत सरकार से इनकी मांगों को पूरा करने की मांग करता हूँ। धन्यवाद।